(c) whether Government propose to move the UNO for permitting import of Crude Oil in lieu of funds of various Indian parties blocked there; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) to (d) The Government of Iraq has from time to time expressed its willingness to supply oil in repayment of its debts owed to Indian companies, provided the United Nations Security Council's Sanctions Committee permits the export of oil by Iraq for this purpose. The matter was taken up with the Sanctions Committee through the permanent Mission of India to the United Nations and the Committee has not given its approval to the proposed arrangement.

रूसी गणराज्यों में भारतीय नागरिक

1607. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सोवियत संघ के विखंडन के पश्चात् वहां पर स्वतन्त्र देशों का रूप ले चुके गणराज्यों में से किस-किस गणराज्य में कितने कितने भारतीय नागरिक हैं और उनमें विद्यार्थियों की संख्या कितनी है; और

(ख) इन भारतीयों की भविष्य में क्या संभावनाएं हैं?

विदेश मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी): (क) पूर्व सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ में भारतीय छात्रों और नागरिकों का गणतन्त्र वार अनुमानित ब्यौरा नीचे लिखे अनुसार है जिसमें भारतीय राजदूतावास के कर्मचारी और एयर इंडिया के भारत आस्थानी कर्मचारी शामिल नहीं हैं :–

देश	संख्या	
	छात्रों की	अन्य नागरिकों की
रूस	1474	250
उक्रेन	896	15
बेलारूस	140	—
अर्मीनिया	153	—
जार्जिया	104	—
अजरबैजान	72	10
लात्विया	46	—
मोलदोवा	6	—
उजबेकिस्तान	447	1000
ताजाकिस्तान	44	—
किरगिस्तान	11	—
कजाकिस्तान	16	—
एस्टोनिया	—	10
जिनके बारे में यह नहीं मालूम कि वे इस वक्त कहां हैं	—	65
कुल	3409	1350

(ख) 21 दिसम्बर, 1991 को अल्मा अटा के अपने शिखर सम्मेलन में पूर्व सोवियत समाजवादी गणतन्त्र संघ के 11 गणराज्यों के शासनाध्यक्षों ने स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रमण्डल के गठन की घोषणा की थी। इस राष्ट्रमण्डल के सदस्य राज्यों ने अपनी संवैधानिक प्रक्रियाओं के अनुसार इस बात की गारंटी दी है कि पूर्व सोवियत समाजवादी गणतन्त्र संघ के साथ संपन्न संधियों और करारों के परिणामस्वरूप उनके ऊपर जो भी अंतर्राष्ट्रीय दायित्व आएंगे उन्हें वे पूरा करेंगे। इसके अलावा, यह भी बताया जाता है कि इस राष्ट्रमण्डल के शासनाध्यक्षों ने 8 फरवरी, 1992 की अपनी

बैठक में यह फैसला किया है कि वे विदेशी छात्रों के मामले में पूर्व सोवियत संघ के साथ हुए समझौतों के समतुल्य समझौतों की पुनः पुष्टि करेंगे तथा नए दस्तावेज तैयार करना शुरू कर देंगे।

पाकिस्तान के साथ परमाणु केन्द्रों की सूची की अदला-बदली

1608. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ परमाणु केन्द्रों की सूची की अदला-बदली की है ;

(ख) इस अदला-बदली की मुख्य बातें क्या हैं और पाकिस्तान अपनी परमाणु शक्ति को बढ़ाने के लिए किन-किन देशों से सहायता ले रहा है; और

(ग) इस संबंध में भारत की प्रतिक्रिया क्या है ?

विदेश मंत्री (श्रीमाधवसिंह सोलंकी) : (क) और (ख) 31 दिसम्बर, 1988 को इस्लामाबाद में भारत और पाकिस्तान के बीच नाभिकीय स्थापनाओं और सुविधाओं पर आक्रमण नहीं करने से सम्बद्ध सम्पन्न हुए करार के अनुसरण में दोनों देशों ने 1 जनवरी, 1992 को करार के प्रावधान के अनुसार नाभिकीय स्थापनाओं और सुविधाओं की सूचियां एक-दूसरे को दीं।

सरकार को यह जानकारी है कि पाकिस्तान ने चीन के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके अनुसार चीन पाकिस्तान को 300 मे०वा० नाभिकीय शक्ति संयंत्र मुहैया कराएगा। सरकार को यह भी जानकारी है कि पाकिस्तान अपने गुप्त नाभिकीय शस्त्रोन्मुख कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्त्रोतों से नाभिकीय तकनीकी और संघटक प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है।

(ग) सरकार ने अनेक अवसरों पर पाकिस्तान के गुप्त नाभिकीय शस्त्रोन्मुख कार्यक्रम के बारे में चिन्ता व्यक्त की है। सरकार ऐसी सभी गतिविधियों पर निरन्तर निगाह रखती है जिनका हमारी सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है और सुरक्षा के लिए उपयुक्त उपाय करती है।

रूसी गणराज्यों की ओर से प्रधानमंत्री को निमंत्रण

1609. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत के प्रधान मंत्री को रूस और सोवियत संघ से अलग हुए गणराज्यों की ओर से उन देशों में दौरे का निमंत्रण प्राप्त हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो उनके द्वारा उन देशों का दौरा कब किए जाने की संभावना है ;

(ग) क्या भारत ने रूसी राष्ट्रपति येल्तसिन को कोई निमंत्रण भेजा है ; और

(घ) यदि हां, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या है ?

विदेश मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी) : (क) और (ख) प्रधानमंत्री को अब तक उज़बेकिस्तान, रूसी महासंघ और कज़ाकिस्तान के राष्ट्रपति से उनके अपने-अपने देश की यात्रा करने के निमंत्रण प्राप्त हुए हैं । इन यात्राओं की तारीखों को राजनयिक सूत्रों के माध्यम से तय किया जाएगा।

(ग) जी हां ।

(घ) राष्ट्रपति येल्तसिन ने भारत यात्रा करने का प्रधानमंत्री का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है ।